लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *486
06 अप्रैल, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

कोविड-19 का हथकरघा क्षेत्र पर प्रभाव

***486. श्री चंद्र शेखर साहू**
श्री राहुल रमेश शेवाले

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में हथकरघा क्षेत्र पर कोविड-19 वैश्विक महामारी का लगातार दूसरे वर्ष भी प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस अवधि के दौरान विपणन कार्यकलाप बंद हो जाने के कारण समूचे ओडिशा, महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों में उत्पादन कम हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ओडिशा तथा महाराष्ट्र सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या बुनकरों की आय पर भी अत्याधिक प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार का विचार हथकरघा बुनकरों के लिए बीमा सुविधा सहित कोई विशेष पैकेज घोषित करने का है; और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का विचार उनकी सहायता हेतु बाजार विकास सहायता संबंधी दिशानिर्देशों को संशोधित करने का भी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 06.04.2022 को नियत लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *486 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (च): ओडिशा और महाराष्ट्र राज्यों सहित देश में कहीं भी सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के प्रभाव के आकलन के लिए हथकरघा क्षेत्र का कोई विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। साथ ही, हथकरघा क्षेत्र की असंगठित और पारंपरिक प्रकृति के कारण, इस क्षेत्र से संबंधित ऐसे आंकड़े बिखरे हुए हैं और केंद्रीय रूप से मात्रा निर्धारण के लिए बड़े पैमाने पर अनुपलब्ध हैं। कोविड-19 महामारी के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्ष 2020 में एक विशेष आर्थिक पैकेज अर्थात् आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की है। विभिन्न क्षेत्रों के लिए राहत और ऋण सहायता उपायों की घोषणा की गई है। पात्र बुनकरों और हथकरघा संगठनों को अपने व्यवसायों को पुनर्जीवित करने हेतु इन राहत और ऋण सहायता उपायों का लाभ उपलब्ध कराया।

- हथकरघा बुनकरों की सहायता हेतु वर्ष 2020 में #वोकल4हैंडमेड और 2021 में #मायहैंडलूममायप्राइड के तहत सोशल मीडिया अभियान आयोजित किए गए। अन्य के अलावा, केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के मुख्यमंत्रियों से इन सोशल मीडिया अभियानों में भाग लेने और समर्थन करने का अनुरोध किया गया था। हथकरघा को लोकप्रिय बनाने, भारतीय जनता की रुचि को प्रोत्साहित करने और बुनकरों के लिए बिक्री के अवसर पैदा करने के लिए मार्केटिंग कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

- राज्य सरकारों से हथकरघा निगमों, सहकारी समितियों, एजेंसियों आदि के माध्यम से हथकरघा बुनकरों के पास तैयार माल की खरीद करने का अनुरोध किया गया।

- महामारी के दौरान बिक्री में तेजी लाने के लिए, हथकरघा बुनकरों को स्वयं सहायता समूहों द्वारा फेस-मास्क के उत्पादन के लिए विभिन्न राज्यों के ग्रामीण आजीविका मिशनों से जोड़ा गया।

- महामारी के दौरान वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हथकरघा पॉकेट्स और बुनकरों के बीच कोविड स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का प्रसार किया गया। सरकारी योजनाओं और कोविड-19 महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों और साधनों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए चौपालों का आयोजन किया गया।

- सरकारी ई-मार्केट प्लेस पर बुनकरों को ऑन-बोर्ड करने संबंधी कदम उठाए गए हैं ताकि वे अपने उत्पादों को सीधे विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों को बेच सकें। अब तक, 1,49,429 बुनकरों और हथकरघा संगठनों को जेम (GeM) पोर्टल पर ऑन-बोर्ड किया चुका है।

- उत्पादकता, मार्केटिंग क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय सुनिश्चित करने हेतु, विभिन्न राज्यों में 135 हथकरघा उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है।

- हथकरघा उत्पादकों को अपने उत्पादों को ऑनलाइन प्रदर्शित करने और बेचने की सुविधा प्रदान करने के लिए वर्ष 2020-21 में 10 वर्चुअल मार्केटिंग इवेंट और 2021-22 में 11 वर्चुअल मार्केटिंग इवेंट आयोजित किए गए। साथ ही, 2021-22 के दौरान हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग के लिए 214 मार्केटिंग कार्यक्रमों को वास्तविक रूप से स्वीकृत किया गया है।

- हथकरघा क्षेत्र में डिजाइन-उन्मुख उत्कृष्टता का निर्माण और सृजन करने के लिए तथा बुनकरों, निर्यातकों, निर्माताओं और डिजाइनरों को उत्पाद विविधीकरण हेतु डिजाइन कोषों तक पहुंच की सुविधा के लिए, दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, अहमदाबाद, जयपुर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी और कांचीपुरम स्थित बुनकर सेवा केंद्रों में डिजाइन संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

- अक्टूबर, 2021 में जारी राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के दिशा-निर्देशों में हथकरघा मार्केटिंग सहायता, वास्तविक और वर्चुअल मोड में एक्सपो के आयोजन पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

- हथकरघा कामगारों के जीवन एवं दुर्घटना बीमा कवर, उनके बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति आदि के माध्यम से उनके कल्याण हेतु प्रावधान किया गया है। दिशा-निर्देशों में विकट परिस्थितियों में 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरस्कार विजेता बुनकरों के लिए वित्तीय सहायता का भी प्रावधान है।

*****